प्लेटो के साम्यवाद सिद्धांत की विशेषताएं-

प्लेटो के साम्यवादी सिद्धांत की निम्नलिखित विशेषताएं हैं–

1. यह व्यवस्था राज्य के सभी वर्गों पर लागू नहीं होती। यह केवल दार्शनिक शासक और सैनिक वर्ग के लिए हैं, उत् पादक वर्ग के लिए नहीं। इसीलिए यह कहा जाता हैं कि प्लेटो का साम्यवाद 'अर्द्ध साम्यवाद' हैं क्योंकि यह व्यवस्था समाज के केवल आधे भाग पर, केवल शासक वर्ग पर लागू होती हैं, उत् पादक वर्ग पर नहीं। संरक्षक वर्ग सम्पत्ति और कुटुंब से अछूता रहेगा, उत् पादक वर्ग के लोगों की निजी सम्पत्ति रहेगी तथा वे अपने कुटुंबों को भी रखेंगे।

2. दूसरा, प्लेटो का साम्यवाद समाज के आर्थिक ढाँचे को यथावत् बनाए रखता हैं। आधुनिक समाजवादियो की तरह यह उत् पादन के साधनों पर राज्य अथवा समाज का आधिपत्य स्थापित नहीं करता। प्लेटो के साम्यवाद में सम्पत्ति के समाजीकरण अथवा राष्ट्रीयकरण का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। यहाँ उत् पादन वर्ग के हाथों में निजी सम्पत्ति रहती हैं। आधुनिक प्रशासन की भाषा में यह कहा जा सकता है कि यह व्यवस्था आर्थिक जीवन के व्यक्तिवादी प्रबन्ध की व्यवस्था हैं। जिसका नियंत्रण राज्य हितार्थ किया जाता हैं।

3. प्लेटो का साम्यवाद समाज में एकता की स्थापना को अपना परम लक्ष्य मानता हैं। समानता स्थापित करना उसका लक्ष्य नहीं हैं। साम्यवादी व्यवस्था को लागू करने के पीछे प्लेटो का मन्तव्य लोकतांत्रीय शासन की स्थापना करना नहीं हैं। उसका उद्देश्य 'बौद्धिक कुलीनतंत्र' के शासन की स्थापना करना है जिसमें शासन की बागडोर थोड़े से ज्ञानी शासकों के हाथों में हैं। साम्यवाद का प्रयोजन केवल इन थोड़े से शासकों के जीवन को नियन्त्रित करने के लिए हैं जिससे कि व आर्थिक और कौटुम्बिक प्रलोभनों से दूर रहते हुए सामाजिक हित के लिए कार्य करते रहें।

4. प्लेटो के साम्यवाद का लक्ष्य आर्थिक सुख की प्राप्ति नहीं हैं। उसका लक्ष्य नागरिकों के आर्थिक स्तर का ऊँचा उठाना नहीं हैं। वास्तव में प्लेटो के आदर्श राज्य का शासक वर्ग 'निर्धनता की साझेदारी' का जीवन बिताता हैं जिसके पास न भूमि हैं, न घरबार हैं, और न ही निजी सम्पत्ति। समाज से प्राप् त भोजन, बैरकों में सामूहिक से रहना तथा सोनेचाँदी और आभूषणों के हाथ न लगाना, ऐसी उनकी जीवन शैली हैं। उनका जीवन त्याग का हैं, भौतिक सुखों के भोग का नहीं। प्लेटो का साम्यवाद साधुवादी हैं जिसमें राज्य के श्रेष्ठ व्यक्ति आर्थिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं। प्लेटो के साम्यवाद का उद्देश्य राजनीतिक हैं, आर्थिक नहीं। यह राज्य की एकता की आकांक्षा करता हैं, आर्थिक सुधार की नहीं।

प्लेटो के साम्यवाद के प्रकार (plato ka samyave prakar)

प्लेटो का साम्यवाद दो प्रकार का है-

1. सम्पत्ति का साम्यवाद

2. पत्नियों का साम्यवाद